The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

SSC CGL | SSC CHSL | SSC JE | SSC MTS | SSC GD | SSC CPO | SSC JHT | SSC Stenographer | RRB GROUP D | RRB ALP | RRB NTPC | RPF SI | RPF CONSTABLE | RRB JE | NRA CET | All State Level Exams

Hindi

Monday, July 06, 2026

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख कहानियां

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार का नाम बदलकर बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार कर दिया गया; विजेता का पुरस्कार 2027 से दोगुना होकर £100,000 हो गया।
- नासा ने स्विफ्ट स्पेस टेलीस्कोप को कक्षीय क्षय से बचाने के लिए रोबोटिक मिशन शुरू किया।
- प्रति बोरदोलोई ने रजत पदक जीता और फिडे वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप 2026 में पहला डब्ल्यूआईएम मानदंड अर्जित किया।
- सीमा पार निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू।
- IIT दिल्ली और DRDO ने निगरानी और रक्षा के लिए भारत का पहला स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट विकसित किया।
- एडीबी ने एनईपी 2020 के तहत कर्नाटक पब्लिक स्कूलों को मजबूत करने के लिए 182.89 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी।
- Razorpay ने NBBL के साथ साझेदारी की बैंकिंग कनेक्ट मोबाइल-फर्स्ट नेट बैंकिंग समाधान लॉन्च करने के लिए।
- डॉ. बिजय कुमार मोहंती ने इरेडा के सीएमडी के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभाला।
- सरकार ने साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए वीपीएन सेवा प्रदाताओं के लिए सख्त नियमों का प्रस्ताव किया है।
- हिंदुस्तान कॉपर ने अनुपम मिश्रा को नया अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार का नाम बदलकर 'बुखमैन इंटरनेशनल बुकर प्राइज' कर दिया गया; विजेता का पुरस्कार दोगुना

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, अनुवादित कथा के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से एक, बुखमैन फिलैंथ्रोपीज़ के साथ 10 साल की फंडिंग साझेदारी के बाद 2027 से इसका नाम बदलकर बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार कर दिया जाएगा।
- समझौते के हिस्से के रूप में, विजेता की पुरस्कार राशि को £ 50,000 से £ 100,000 (लगभग ₹ 1.28 करोड़) तक दोगुना कर दिया गया है, जिसमें राशि को लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया जाना जारी है।
- प्रत्येक शॉर्टलिस्ट किए गए शीर्षक को £ 5,000 प्राप्त करना जारी रहेगा, समान रूप से साझा किया गया। इस पहल का उद्देश्य अनुवादित साहित्य के लिए समर्थन को मजबूत करना और वैश्विक साहित्यिक आदान-प्रदान में अनुवादकों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना है।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार क्या है?

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक पुरस्कार है जो अंग्रेजी में अनुवादित और यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में प्रकाशित फिक्शन के सर्वश्रेष्ठ काम का सम्मान करता है। यह लेखक और अनुवादक दोनों को समान रूप से पहचानता है।

बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार

- नया नाम से प्रभावी: 2027
- पूर्व नाम: अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार
- नए प्रायोजक: Bukhman Philanthropies
- फंडिंग प्रतिबद्धता: 10 वर्ष
- विजेता का पुरस्कार: £100,000 (लगभग ₹1.28 करोड़)
- पुरस्कार वितरण: लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया गया।
- शॉर्टलिस्ट की गई पुस्तकें: £ 5,000 प्रति शीर्षक, लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार:

- वर्तमान प्रारूप शुरू: 2016
- आवृत्ति: वार्षिक
- द्वारा प्रशासित: बुकर प्राइज फाउंडेशन

वांछनीयता:

- कथा या लघु कहानी संग्रह।
- मूल रूप से किसी भी भाषा में लिखा गया है।
- अंग्रेजी में अनुवादित।
- यूके या आयरलैंड में प्रकाशित।
- साहित्यिक उत्कृष्टता और अनुवाद की कला दोनों को पहचानता है।

बुकर पुरस्कार फाउंडेशन:

- ब्रिटेन स्थित एक धर्मार्थ संगठन।

प्रशासित करता है:

- बुकर पुरस्कार (अंग्रेजी भाषा के कथा साहित्य के लिए)।
- बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार (अनुवादित कथा)।
- दुनिया भर में उत्कृष्ट साहित्य और पढ़ने को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

बुखमैन परोपकार

- गेमिंग कंपनी Playrix के संस्थापकों Daria Bukhman और Dmitri Bukhman द्वारा स्थापित।

इसमें पहल का समर्थन करता है:

- साहित्य
- पढ़ाई
- मातृ और नवजात स्वास्थ्य
- बच्चों और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य
- 2026 से अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के प्रमुख फंडिंग पार्टनर बने और एक दशक लंबी साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध रहे।

2026 अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता:

- विजेता पुस्तक: ताइवान यात्रा वृत्तांत
- लेखक: यांग शुआंग-zǐ
- अनुवादक: लिन किंग

महत्त्व:

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने के लिए ताइवानी मंदारिन से अनुवादित पहली पुस्तक।
- कल्पना के माध्यम से इतिहास, उपनिवेशवाद, पहचान और संस्कृति की पड़ताल करता है।

बुकर पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के बीच अंतर

बुकर पुरस्कार	बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार
पुरस्कार कथा मूल रूप से अंग्रेजी में लिखी गई है।	पुरस्कार कथा अंग्रेजी में अनुवादित।
केवल लेखक को पहचानता है।	लेखक और अनुवादक दोनों को समान रूप से पहचानता है।
यूके/आयरलैंड में प्रकाशित उपन्यासों के लिए खुला है।	यूके/आयरलैंड में प्रकाशित अनुवादित कथा के लिए खुला।

नया नाम: बुखमैन इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार
से प्रभावी: 2027
पूर्व नाम: अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार
फंडिंग पार्टनर: बुखमैन परोपकार
फंडिंग अवधि: 10 वर्ष
विजेता का पुरस्कार: £100,000 (लगभग ₹1.28 करोड़)
पुरस्कार साझाकरण: लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से
द्वारा प्रशासित: बुकर प्राइज फाउंडेशन
2026 विजेता: ताइवान यात्रा वृत्तांत
लेखक: यांग शुआंग-zǐ
अनुवादक: लिन किंग

परीक्षा फोकस बिंदु:

नासा ने स्विफ्ट स्पेस टेलीस्कोप को कक्षीय क्षय से बचाने के लिए रोबोटिक मिशन शुरू किया

- नासा ने नील गेहरेल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी (स्विफ्ट स्पेस टेलीस्कोप) को बचाने के लिए एक अग्रणी रोबोटिक मिशन शुरू किया है, जो तेजी से ऊंचाई खो रहा है और हाल ही में सौर तूफानों के कारण बढ़ते वायुमंडलीय खिंचाव के कारण पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करने का जोखिम है।
- मिशन कैटलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित LINK नामक एक रोबोटिक सर्विसिंग अंतरिक्ष यान का उपयोग करता है, जो स्विफ्ट के साथ मिलने, उससे जुड़ने और अपने परिचालन जीवन का विस्तार करने के लिए अपनी कक्षा को बढ़ाने के लिए है।
- सफल होने पर, यह रोबोट रूप से एक परिचालन उपग्रह को कक्षा में बचाने और फिर से स्थापित करने वाला पहला अमेरिकी मिशन बन जाएगा, जिससे भविष्य के उपग्रह सर्विसिंग और अंतरिक्ष स्थिरता पहल का मार्ग प्रशस्त होगा।

नील गेहरेल्स स्विफ्ट वेधशाला क्या है?

- नील गेहरेल्स स्विफ्ट वेधशाला नासा का एक अंतरिक्ष दूरबीन है जिसे गामा-रे बर्स्ट (जीआरबी) का पता लगाने और अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है - ब्रह्मांड में देखे गए सबसे ऊर्जावान विस्फोट। यह सुपरनोवा, न्यूट्रॉन सितारों, ब्लैक होल और अन्य उच्च-ऊर्जा खगोलभौतिकीय घटनाओं को भी देखता है।

उद्देश्य:

- वास्तविक समय में गामा-रे फटने का पता लगाएं।
- ब्लैक होल, न्यूट्रॉन सितारों और सुपरनोवा का अध्ययन करें।
- कई तरंग दैर्ध्य में उच्च-ऊर्जा ब्रह्मांडीय घटनाओं का निरीक्षण करें।
- ब्रह्मांड के विकास की समझ में सुधार करें।

नील गेहरेल्स स्विफ्ट वेधशाला:

शुरू किया गया: 20 नवंबर 2004
ऑपरेटर: नासा
मिशन प्रकार: अंतरिक्ष आधारित खगोलीय वेधशाला
कक्षा: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)
नाम के बाद: नील गेहरेल्स, प्रसिद्ध अमेरिकी खगोल भौतिकीविद् और नासा के एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स डिवीजन के पूर्व निदेशक।

मुख्य उपकरण:

बर्स्ट अलर्ट टेलीस्कोप (BAT)
एक्स-रे टेलीस्कोप (एक्सआरटी)

- पराबैंगनी/ऑप्टिकल टेलीस्कोप (यूवीओटी)

स्विफ्ट बूस्ट मिशन:

- मिशन का उद्देश्य: वायुमंडलीय पुन: प्रवेश को रोकने के लिए स्विफ्ट वेधशाला की कक्षा को ऊपर उठाएं।
- अंतरिक्ष यान की सर्विसिंग: लिंक
- डेवलपर: कैटलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉजीज
- मिशन लागत: लगभग US$30 मिलियन
- अपेक्षित परिणाम: स्विफ्ट के परिचालन जीवन को कई वर्षों तक बढ़ाएँ।
- ऑन-ऑर्बिट सर्विसिंग, मरम्मत और उपग्रह जीवन विस्तार के लिए प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करता है।

कैटलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉजीज:

- एक अमेरिकी आधारित निजी एयरोस्पेस कंपनी जो इन-ऑर्बिट सर्विसिंग और सैटेलाइट लॉजिस्टिक्स में विशेषज्ञता रखती है।
- नासा के स्विफ्ट बचाव मिशन के लिए लिंक रोबोटिक अंतरिक्ष यान विकसित किया।

प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करता है जैसे:

- सैटेलाइट सर्विसिंग
- कक्षीय परिवहन
- अंतरिक्ष रसद
- अंतरिक्ष यान के लिए जीवन-विस्तार मिशन।

गामा-रे बर्स्ट (जीआरबी) क्या हैं?

- गामा-रे विस्फोट ब्रह्मांड में ज्ञात सबसे ऊर्जावान विद्युत चुम्बकीय विस्फोट हैं।

के दौरान होता है:

- ब्लैक होल में विशाल तारों का ढहना।
- न्यूट्रॉन सितारों का विलय।
- एक सेकंड के अंश से लेकर कई मिनट तक अंतिम।

वैज्ञानिकों को अध्ययन में मदद करें:

- ब्लैक होल का निर्माण।
- आकाशगंगाओं का विकास।
- प्रारंभिक ब्रह्मांड में स्थितियां।

मिशन महत्वपूर्ण क्यों है?

- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के एक उभरते हुए क्षेत्र ऑन-ऑर्बिट उपग्रह सर्विसिंग को प्रदर्शित करता है।
- मौजूदा उपग्रहों को बदलने के बजाय उनके जीवन का विस्तार करके अंतरिक्ष स्थिरता का समर्थन करता है।
- मूल्यवान अंतरिक्ष यान के अनियंत्रित पुन: प्रवेश को रोककर अंतरिक्ष मलबे को कम करता है।
- वैज्ञानिक, वाणिज्यिक और रक्षा उपग्रहों से जुड़े भविष्य के सर्विसिंग मिशनों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन):

- स्थापित: 29 जुलाई 1958
- मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., यूएसए
- प्रशासक: जेनेट पेट्रो

प्रमुख कार्यक्रम:

- आर्टेमिस कार्यक्रम
- हबल स्पेस टेलीस्कोप
- जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST)
- मंगल अन्वेषण कार्यक्रम
- पृथ्वी अवलोकन मिशन

परीक्षा फोकस बिंदु:

- मिशन: स्विफ्ट बूस्ट मिशन
- संगठन: नासा
- लक्ष्य अंतरिक्ष यान: नील गेहरेल्स स्विफ्ट वेधशाला
- रोबोटिक सर्विसिंग वाहन: लिंक
- डेवलपर: कैटलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉजीज
- बचाव का कारण: सौर गतिविधि से वायुमंडलीय खिंचाव में वृद्धि के कारण कक्षीय क्षय
- स्विफ्ट का वैज्ञानिक फोकस: गामा-रे फटने और अन्य उच्च-ऊर्जा खगोलभौतिकीय घटनाएं
- महत्व: कक्षा में एक परिचालन उपग्रह को बचाने और उसकी स्थिति बदलने के लिए पहला अमेरिकी रोबोटिक मिशन
- मिशन का उद्देश्य: टेलीस्कोप के परिचालन जीवन का विस्तार करना और उपग्रह-सर्विसिंग तकनीक का प्रदर्शन करना

प्रति बोरदोलोई ने फिडे वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप 2026 में रजत पदक जीता।

- बेंगलुरु की 13 वर्षीय महिला FIDE मास्टर (WFM) प्रीति बोरदोलोई ने इटली के मोंटेसिल्वानो में आयोजित FIDE वर्ल्ड यूथ शतरंज चैंपियनशिप 2026 में लड़कियों की अंडर-18 श्रेणी में रजत पदक जीता।
- वह चैंपियनशिप में भारत की एकमात्र पदक विजेता के रूप में उभरीं, जिन्होंने 11 राउंड (7 जीत और 4 ड्रॉ) में 9 अंकों के साथ टूर्नामेंट को नाबाद समाप्त किया।
- पांच साल तक के खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, प्रतिती ने अपना पहला महिला अंतर्राष्ट्रीय मास्टर (डब्ल्यूआईएम) मानदंड भी अर्जित किया, जो उनके शतरंज करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- FIDE विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप: FIDE विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) द्वारा अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-18 श्रेणियों (ओपन और गर्ल्स) में युवा खिलाड़ियों के लिए आयोजित एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट है।
- आयोजक: अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE)
- स्थल: मोंटेसिलवानो, इटली
- श्रेणियाँ: अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-18 (ओपन और लड़कियां)

भारत का प्रदर्शन:

- प्रति बोरदोलोई ने लड़कियों के अंडर-18 वर्ग में रजत पदक जीता।
- वह चैंपियनशिप में भारत की एकमात्र पदक विजेता थीं।
- प्रदर्शन: 9/11 अंक (7 जीत, 4 ड्रॉ, नाबाद)।

हर दूल्हा

• आयु: 13 वर्ष
• गृहनगर: बेंगलुरु, कर्नाटक
• वर्तमान शीर्षक: Woman FIDE Master (WFM)

उपलब्धि:

- FIDE वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप 2026 में रजत पदक।
- अपनी पहली महिला अंतर्राष्ट्रीय मास्टर (WIM) मानदंड सुरक्षित किया।
- सबसे कम उम्र के प्रतिभागियों में से एक होने के बावजूद लड़कियों की अंडर-18 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की।
- उन्होंने 16वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट में प्रवेश किया और पूरे आयोजन के दौरान अपराजित रहीं।

FIDE :

- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) शतरंज के खेल के लिए वैश्विक शासी निकाय है।
- स्थापित:1924
- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड
- राष्ट्रपति: अर्कडी ड्वोरकोविच

कार्य:

- अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं को नियंत्रित करता है।
- शतरंज के खिताब जैसे जीएम, आईएम, एफएम, डब्ल्यूजीएम, डब्ल्यूआईएम, डब्ल्यूएफएम, आदि को पुरस्कृत करता है।
- आधिकारिक एलो रेटिंग प्रकाशित करता है।
- विश्व चैंपियनशिप और युवा चैंपियनशिप का आयोजन करता है।

FIDE द्वारा शतरंज खिताब प्रदान किए गए

• जीएम - ग्रैंडमास्टर
• आईएम - इंटरनेशनल मास्टर
• एफएम - फिडे मास्टर
• मुख्यमंत्री – उम्मीदवार मास्टर
• डब्ल्यूजीएम - महिला ग्रैंडमास्टर
• WIM - वुमन इंटरनेशनल मास्टर
• WFM - महिला FIDE मास्टर
• WCM - महिला उम्मीदवार मास्टर
• WIM नॉर्म: वुमन इंटरनेशनल मास्टर (WIM) मानदंड FIDE द्वारा निर्धारित एक प्रदर्शन बेंचमार्क है। एक खिलाड़ी को महिला अंतर्राष्ट्रीय मास्टर खिताब अर्जित करने के लिए आवश्यक मानदंडों और न्यूनतम रेटिंग मानदंडों को प्राप्त करना होगा।

शतरंज में भारत का उदय:

- भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते शतरंज देशों में से एक है।

देश ने कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार किए हैं, जिनमें शामिल हैं:

• विश्वनाथन आनंद - भारत के पहले ग्रैंडमास्टर और पांच बार के विश्व चैंपियन।

- गुकेश डोम्माराजू - विश्व शतरंज चैंपियन।
- अर्जुन एरिगिसि।
- कोनेरू हम्पी।
- आर. वैशाली।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- आयोजन: FIDE विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप 2026
- श्रेणी: लड़कियों अंडर -18
- स्थल: मोंटेसिलवानो, इटली
- प्रदर्शन: 9/11 अंक (नाबाद)
- अतिरिक्त उपलब्धि: पहली महिला अंतर्राष्ट्रीय मास्टर (WIM) मानदंड
- आयोजन निकाय: FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ)

- खिलाड़ी: हर लड़का
- शीर्षक: महिला FIDE मास्टर (WFM)
- उपलब्धि: रजत पदक

भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) लागू हुआ

- भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) लागू हुआ। 8 सितंबर 2025 को हस्ताक्षरित, इस समझौते का उद्देश्य निवेशकों के लिए एक पारदर्शी, पूर्वानुमानित और सुरक्षित कानूनी ढांचा प्रदान करके सीमा पार निवेश को बढ़ावा देना और उसकी सुरक्षा करना है। इससे निवेश प्रवाह को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग मजबूत होने की उम्मीद है।

द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) क्या है?

- बीआईए दो देशों के बीच एक संधि है जो निवेशकों के लिए उचित व्यवहार, कानूनी सुरक्षा और विवाद समाधान तंत्र सुनिश्चित करके निवेश को बढ़ावा देती है और उसकी रक्षा करती है।

भारत-इज़राइल आर्थिक संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1992
- रणनीतिक साझेदारी: 2017 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की इज़राइल यात्रा के दौरान उन्नत किया गया।

द्विपक्षीय सहयोग में शामिल हैं:

- रक्षा और मातृभूमि सुरक्षा
- कृषि
- जल संरक्षण और सिंचाई
- साइबर सुरक्षा
- यांत्रिक बुद्धि
- अंतरिक्ष सहयोग
- नवाचार और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र।

भारत-इज़राइल व्यापार संबंध:

- इजराइल पश्चिम एशिया में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक भागीदार है।

प्रमुख भारतीय निर्यात:

- पेट्रोलियम उत्पाद
- रसायन
- यंत्र समूह
- फार्मास्यूटिकल्स
- कपड़ा

इज़राइल से प्रमुख आयात:

- हीरे
- रक्षा उपकरण
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण
- उर्वरक
- चिकित्सा और सटीक उपकरण।

- भारत में इजरायल का निवेश प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और जल प्रौद्योगिकियों में केंद्रित है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

- एफडीआई से तात्पर्य किसी कंपनी या एक देश के व्यक्ति द्वारा दूसरे देश में स्थित व्यावसायिक परिसंपत्तियों में किए गए निवेश से है।

एफडीआई के लाभ:

- पूंजी प्रवाह।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
- रोजगार सृजन।
- उच्च निर्यात।
- औद्योगिक विकास।
- उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार।

महत्व

- निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है।
- सीमा पार निवेश बढ़ाता है।
- भारत-इजराइल आर्थिक संबंधों को मजबूत करता है।
- प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का समर्थन करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

समझौता: भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता (BIA)
लागू हुआ: 4 जुलाई 2026
हस्ताक्षरित: 8 सितंबर 2025
उद्देश्य: द्विपक्षीय निवेश को बढ़ावा देना और उसकी रक्षा करना
मुख्य लाभ: एफडीआई और निवेशकों का विश्वास बढ़ाना

IIT दिल्ली और DRDO ने भारत का पहला स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट विकसित किया

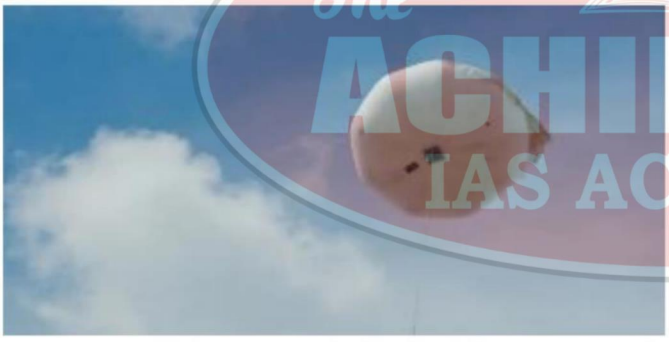

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के सहयोग से भारत का पहला स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट विकसित किया है- एक बंधेदार, हवा से हल्का निगरानी मंच जिसे सैन्य टोही और सीमा निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- एयरोस्टेट उन्नत निगरानी पेलोड जैसे इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड (ईओ/आईआर) सेंसर, संचार उपकरण और रडार सिस्टम ले जा सकता है, जो लगातार हवाई निगरानी प्रदान करता है।
- यह विकास आयातित निगरानी प्रणालियों पर निर्भरता को कम करके रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टैक्टिकल एयरोस्टेट क्या है?

- एक सामरिक एयरोस्टेट एक हीलियम से भरा, बंधा हुआ गुब्बारा है जो निगरानी और संचार पेलोड से सुसज्जित है। यह लंबे समय तक ऊंचाई पर काम करते हुए जमीन पर टिका रहता है, जिससे रणनीतिक क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जा सकती है।

उद्देश्य

- सीमा और युद्ध के मैदान की निगरानी बढ़ाएँ।
- कम उड़ान वाले विमान, ड्रोन और दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाएं।
- खुफिया, टोही और संचार का समर्थन करें।
- आयातित रक्षा प्रणालियों पर निर्भरता कम करना।

प्रमुख विशेषताऐं

द्वारा विकसित: आईआईटी दिल्ली और डीआरडीओ
प्रकार: स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट
प्रयुक्त गैस: हीलियम
भूमिका: लगातार हवाई निगरानी और टोही

पेलोड:

- इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड (ईओ/आईआर) कैमरे
- संचार उपकरण
- रडार और निगरानी सेंसर

अनुप्रयोगों:

सीमा सुरक्षा
सैन्य अभियान
आपदा प्रबंधन
महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा

डीआरडीओ:

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) भारत की प्रमुख रक्षा अनुसंधान एजेंसी है जो स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों और हथियार प्रणालियों के विकास के लिए जिम्मेदार है।

• स्थापित:1958
• मुख्यालय: नई दिल्ली
• चेयरमैन: राजेश कुमार सिंह
• प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय
• आदर्श वाक्य: बालस्या मूलम विज्ञानम ("शक्ति की उत्पत्ति विज्ञान में है")

- मिसाइल, रडार, विमान प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, यूएवी और उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों का विकास करता है।

सामरिक एयरोस्टैट्स के लाभ

- लंबी अवधि के लिए निरंतर निगरानी।
- विमान और उपग्रहों की तुलना में लागत प्रभावी।
- ड्रोन और कम उड़ान वाले खतरों के खिलाफ प्रारंभिक चेतावनी।
- सीमाओं के साथ स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार करता है।
- दूरस्थ और कठिन इलाकों में काम कर सकते हैं।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• विकास: भारत का पहला स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट
• द्वारा विकसित: IIT दिल्ली और DRDO
• उद्देश्य: लगातार हवाई निगरानी और टोही
• प्रौद्योगिकी: हीलियम से भरा टेथर्ड एयरोस्टेट
• अनुप्रयोगों: सीमा सुरक्षा, सैन्य निगरानी, आपदा प्रतिक्रिया
• महत्व: आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी रक्षा क्षमता को बढ़ावा देता है

एडीबी ने कर्नाटक में पब्लिक स्कूलों को मजबूत करने के लिए 182.89 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने कर्नाटक पब्लिक स्कूल कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए 182.89 मिलियन डॉलर (लगभग ₹2,000 करोड़) के ऋण को मंजूरी दे दी है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य 500 एकीकृत कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) क्लस्टर स्थापित करके सार्वजनिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है, जिससे 10 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा, जिसमें महिला छात्रों और वंचित समुदायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और कर्नाटक के शिक्षा सुधारों के अनुरूप है।

फोकस क्षेत्र:

- शिक्षक प्रशिक्षण और योग्यता विकास
- पाठ्यचर्या और मूल्यांकन सुधार
- स्कूल प्रशासन में सुधार
- स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और गणित) शिक्षा
- उद्योग-संरेखित कौशल और जीवन-कौशल शिक्षा
- महिलाओं और लड़कियों का सामाजिक समावेश और संरक्षण

एशियाई विकास बैंक (एडीबी)

• स्थापित:1966
• मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस
• सदस्य: 69 (एशिया और प्रशांत से 49)
• अध्यक्ष: मसातो कांडा
• भारत में शामिल हुआ: 1966
• उद्देश्य: वित्तीय और तकनीकी सहायता के माध्यम से समावेशी, टिकाऊ और लचीले आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

परिणाम-आधारित ऋण (RBL):

- यह परियोजना एडीबी के परिणाम-आधारित ऋण (आरबीएल) मॉडल के तहत लागू की जाएगी।
- आरबीएल के तहत, केवल व्यय के बजाय पूर्व-परिभाषित प्रदर्शन संकेतकों की उपलब्धि के आधार पर धन जारी किया जाता है।
- शासन, जवाबदेही और मापने योग्य परिणामों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020:

- शुरू की: 29 जुलाई 2020
- मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय

प्रमुख उद्देश्य:

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच।
- मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता।
- बहु-विषयक और समग्र शिक्षा।
- कौशल विकास और डिजिटल शिक्षा पर अधिक जोर।
- 2035 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाकर 50% करना।

शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्त सुविधा (IFFEd):

- एडीबी के वित्तपोषण को निम्नलिखित द्वारा पूरक किया जाएगा:
- $ 10 मिलियन अनुदान
- $ 25 मिलियन की गारंटी
- आईएफएफईडी निम्न-मध्यम आय वाले देशों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास तक पहुंच में सुधार के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• संगठन: एशियाई विकास बैंक (एडीबी)
• ऋण राशि: $182.89 मिलियन (≈ ₹2,000 करोड़)
• राज्य: कर्नाटक
• कार्यक्रम: कर्नाटक पब्लिक स्कूल कार्यक्रम को मजबूत करना
• स्कूल क्लस्टर: 500 एकीकृत कर्नाटक पब्लिक स्कूल
• लाभार्थी: 1 मिलियन से अधिक छात्र
• कार्यान्वयन मॉडल: परिणाम-आधारित ऋण (आरबीएल)
• के साथ गठबंधन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020

रेजरपे ने एनबीबीएल के साथ मोबाइल-फर्स्ट नेटबैंकिंग समाधान लॉन्च करने के लिए साझेदारी की

- रेजरपे ने भारत में नेटबैंकिंग भुगतान को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से एक मोबाइल-फर्स्ट नेटबैंकिंग समाधान बैंकिंग कनेक्ट लॉन्च करने के लिए एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) के साथ साझेदारी की है।
- प्लेटफ़ॉर्म व्यापारियों को एक ही एकीकरण के माध्यम से कई बैंकों से जुड़ने में सक्षम बनाता है, जिससे अलग-अलग बैंक-वार एकीकरण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- यह इरादा-आधारित और क्यूआर-आधारित भुगतान प्रवाह भी पेश करता है, जिससे ग्राहकों को कम चरणों के साथ अपने बैंकिंग ऐप के माध्यम से सीधे नेटबैंकिंग लेनदेन पूरा करने की अनुमति मिलती है, जिससे भुगतान सफलता दर और उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार होता है।

बैंकिंग कनेक्ट क्या है?

- बैंकिंग कनेक्ट एनबीबीएल द्वारा विकसित एक इंटरऑपरेबल नेटबैंकिंग बुनियादी ढांचा है जो बैंकों और भुगतान एग्रीगेटर्स को जोड़ने वाला एक एकीकृत मंच प्रदान करके ऑनलाइन व्यापारी भुगतान को सरल बनाता है।

उद्देश्य

- व्यापारियों के लिए नेटबैंकिंग एकीकरण को सरल बनाएं।
- मोबाइल-प्रथम भुगतान अनुभव में सुधार करें।
- भुगतान विफलताओं और ग्राहक ड्रॉप-ऑफ को कम करें।
- अंतर-संचालित और सुरक्षित डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना।

प्रमुख विशेषताएं:

- द्वारा विकसित: NPCI भारत बिलपे लिमिटेड (NBBL)
- के साथ लॉन्च किया गया: Razorpay
- कई भाग लेने वाले बैंकों के लिए एकल एकीकरण।
- इंटेंट-आधारित और क्यूआर-कोड-आधारित नेटबैंकिंग भुगतान का समर्थन करता है।
- निपटान, सुलह और धनवापसी को सरल बनाता है।

प्रारंभ में समर्थन करता है:

• भारतीय स्टेट बैंक
• एचडीएफसी बैंक
• आईसीआईसीआई बैंक

- फेडरल बैंक
- एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक
- यस बैंक
- चरणबद्ध तरीके से और बैंक जोड़े जाएंगे।

NPCI भारत बिलपे लिमिटेड (NBBL):

- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी
- भूमिका: ऑपरेटर्स भारत कनेक्ट (औपचारिक रूप से भारत बिलपे)।

कार्य:

- इंटरऑपरेबल डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे का विकास करता है।
- बिल भुगतान और व्यापारी भुगतान समाधान की सुविधा प्रदान करता है।
- भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देता है।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई):

- स्थापित:2008
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र
- गैर-पूर्व अध्यक्ष: अजय कुमार चौधरी
- एमडी और सीईओ: दिलीप आएंगे
- द्वारा प्रचारित: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (IBA)

प्रमुख भुगतान प्रणाली:

- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)
- रुपे
- आईएमपीएस
- भारत कनेक्ट (औपचारिक रूप से भारत बिलपे)
- नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (NACH)
- फास्टैग

रेजरपे:

- स्थापित: 2014
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक
- संस्थापक: हर्षिल माथुर और शशांक कुमार
- भुगतान गेटवे, व्यवसाय बैंकिंग, पेरोल और व्यापारी भुगतान समाधान प्रदान करता है।
- भारत की अग्रणी फिनटेक कंपनियों में से एक।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- साझेदारी: रेजरपे और एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल)
- प्लेटफार्म: बैंकिंग कनेक्ट
- उद्देश्य: मोबाइल-प्रथम नेटबैंकिंग समाधान
- मुख्य विशेषता: कई बैंकों के साथ एकल एकीकरण
- द्वारा विकसित: NBBL
- NBBL का मूल संगठन: NPCI
- उद्देश्य: तेज़, इंटरऑपरेबल और निर्बाध नेटबैंकिंग भुगतान

डॉ. बिजय कुमार मोहंती ने इरेडा के सीएमडी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) डॉ. बिजय कुमार मोहंती को तीन महीने की अवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।
- उन्होंने 1 जुलाई 2026 को प्रदीप कुमार दास का स्थान लिया, जो सेवानिवृत्ति प्राप्त करने के बाद 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हुए।
- डॉ. मोहंती के पास भारतीय बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

पिछले संगठन:

- आरईसी लिमिटेड
- आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल)
- ग्रिडको

- सीईएससीओ, ओडिशा

IREDA के बारे में:

- भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) के तहत एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (CPSE) है। यह भारत में नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

- स्थापित:1987
- प्रशासनिक मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- स्थिति: नवरत्न सीपीएसई (2024 में दी गई)
- सूचीबद्ध किया गया: बीएसई और एनएसई (2023 से)

कार्य:

- नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का वित्तपोषण।
- ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को बढ़ावा देना।
- सौर ऊर्जा, पवन, जल विद्युत, बायोमास, हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का समर्थन करना।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE):

- स्थापना: 1992 (एक पूर्ण मंत्रालय के रूप में)
- मंत्री: प्रह्लाद जोशी
- सचिव: संतोष कुमार सारंगी
- उद्देश्य: नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को सुविधाजनक बनाना।

फोकस क्षेत्र:

- सौर ऊर्जा
- पवन ऊर्जा
- जैव ऊर्जा
- छोटी जल विद्युत
- ग्रीन हाइड्रोजन
- ऊर्जा भंडारण प्रणाली

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA)
- नए सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार): डॉ. बिजय कुमार मोहंती
- से प्रभावी: 1 जुलाई 2026
- पिछला सीएमडी: प्रदीप कुमार दास
- प्रशासनिक मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)
- इरेडा की स्थिति: नवरत्न सीपीएसई
- भूमिका: नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं का वित्तपोषण

सरकार ने वीपीएन सेवा प्रदाताओं के लिए सख्त नियमों का प्रस्ताव रखा

यह खबरों में क्यों है?

- भारत सरकार वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) सेवा प्रदाताओं के लिए सख्त नियमों पर विचार कर रही है। प्रस्तावित नियमों का उद्देश्य भारतीय कानूनों के अनुपालन में सुधार करना और साइबर सुरक्षा को मजबूत करना है।

मुख्य बिंदु

- सरकार भारत में काम करने वाले वीपीएन सेवा प्रदाताओं के लिए सख्त अनुपालन आवश्यकताओं को पेश करने की योजना बना रही है।
- वीपीएन कंपनियों को भारत में एक भौतिक कार्यालय स्थापित करने की आवश्यकता हो सकती है।
- उन्हें भारतीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार नामित अनुपालन अधिकारियों को भी नियुक्त करना पड़ सकता है।
- प्रस्तावित ढांचा जांच के दौरान वीपीएन प्रदाताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय में सुधार करना चाहता है।
- इस कदम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, जवाबदेही में सुधार करना और साइबर अपराध और गुमनाम ऑनलाइन सेवाओं के दुरुपयोग से संबंधित चिंताओं को दूर करना है।
- यह प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन है और इसे अभी तक कार्यान्वित नहीं किया गया है।

वीपीएन क्या है?

- वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) एक ऐसी तकनीक है जो उपयोगकर्ता के डिवाइस और इंटरनेट के बीच एक सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड कनेक्शन बनाती है। यह डेटा को एन्क्रिप्ट करके और उपयोगकर्ता के आईपी पते को छिपाकर ऑनलाइन गतिविधियों की सुरक्षा करता है।

वीपीएन के सामान्य उपयोग

- इंटरनेट ब्राउज़ करते समय गोपनीयता की रक्षा करता है।
- सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क पर डेटा सुरक्षित करता है।
- Office नेटवर्क के लिए सुरक्षित दूरस्थ पहुँच सक्षम करता है।
- संवेदनशील व्यक्तिगत और व्यावसायिक जानकारी को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

सरकार नए नियमों का प्रस्ताव क्यों कर रही है?

- यह सुनिश्चित करने के लिए कि वीपीएन प्रदाता भारतीय कानूनों का अनुपालन करते हैं।
- साइबर अपराध जांच के दौरान सहयोग में सुधार करना।
- डिजिटल सुरक्षा और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए।
- गैरकानूनी गतिविधियों के लिए गुमनाम इंटरनेट सेवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए।
- डिजिटल सेवा प्रदाताओं की नियामक निगरानी को बढ़ाता है।
- साइबर अपराधों की तेजी से जांच का समर्थन करता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और कानूनी अनुपालन के साथ डिजिटल गोपनीयता को संतुलित करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- विषय: वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) विनियमन
- देश: भारत
- द्वारा प्रस्तावित: भारत सरकार
- उद्देश्य: साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और वीपीएन प्रदाताओं के कानूनी अनुपालन में सुधार करना
- मुख्य प्रस्ताव: वीपीएन प्रदाताओं को भारत में एक भौतिक कार्यालय स्थापित करने की आवश्यकता हो सकती है
- अतिरिक्त आवश्यकता: नामित अनुपालन अधिकारियों की नियुक्ति
- अनुपालन अधिकारी का उद्देश्य: भारतीय कानूनों का पालन सुनिश्चित करना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करना
- वीपीएन फुल फॉर्म: वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क
- वीपीएन फ़ंक्शन: एक एन्क्रिप्टेड और सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन बनाता है
- संबंधित संगठन: भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन)

महत्व

- भारत के साइबर सुरक्षा ढांचे में सुधार हो सकता है।

हिंदुस्तान कॉपर ने अनुपम मिश्रा को अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में नियुक्त किया

- सार्वजनिक क्षेत्र के हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) ने अनुपम मिश्रा को अपना नया अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया है। वह संजीव कुमार सिंह का स्थान लेंगे, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे।

मुख्य विचार:

- अनुपम मिश्रा ने हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने संजीव कुमार सिंह की जगह ली।
- इससे पहले उन्होंने फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी लिमिटेड) में निदेशक (विपणन) के रूप में कार्य किया था।
- आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग में B.Tech (ऑनर्स) और आईआईएम लखनऊ से पीजीडीएम की डिग्री हासिल की है।
- विपणन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, औद्योगिक कच्चे माल, कृषि-वस्तुओं, इंजीनियरिंग सामान और परियोजना व्यवसाय में 33+ वर्षों का अनुभव लाता है।
- एचसीएल अपनी खनन क्षमता को तीन गुना करने के लिए 7,189 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) कार्यक्रम को लागू कर रहा है।

पृष्ठभूमि:

- हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) खान मंत्रालय के तहत एक मिनीरत्न श्रेणी-I केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है।
- यह भारत का एकमात्र लंबवत एकीकृत तांबा उत्पादक है, जो तांबे के खनन, लाभकारी, गलाने, शोधन और ढलाई में लगा हुआ है।
- मुख्यालय: कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
- कंपनी का लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिजों की भारत की बढ़ती मांग का समर्थन करने के लिए घरेलू तांबे के उत्पादन का विस्तार करना है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- प्रशासनिक मंत्रालय: खान मंत्रालय।
- पूंजीगत व्यय (कैपेक्स): उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और खनन कार्यों के आधुनिकीकरण के लिए नियोजित निवेश।
- कॉपर नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, पावर ट्रांसमिशन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• नए सीएमडी: अनुपम मिश्रा
• कंपनी: हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल)
• पिछला पद: निदेशक (विपणन), एफएसीटी लिमिटेड
• प्रतिस्थापित: संजीव कुमार सिंह
• पूंजीगत व्यय कार्यक्रम: ₹7,189 करोड़
• लक्ष्य: ट्रिपल एचसीएल की खनन क्षमता
• प्रशासनिक मंत्रालय: खान मंत्रालय
• मुख्यालय: कोलकाता, पश्चिम बंगाल

लेट्स रिवाइज

- 10 साल के प्रायोजन समझौते के बाद 2027 से अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार का नया नाम क्या है? बुखमैन इंटरनेशनल बुकर प्राइज।
- पृथ्वी के वायुमंडल में इसके पुन: प्रवेश को रोकने के लिए स्विफ्ट बूस्ट मिशन के माध्यम से नासा के किस अंतरिक्ष दूरबीन को बचाया जा रहा है? नील गेहरेल्स स्विफ्ट वेधशाला (स्विफ्ट स्पेस टेलीस्कोप)।
- लड़कियों की अंडर-18 श्रेणी में रजत पदक जीतकर FIDE विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप 2026 में भारत के एकमात्र पदक विजेता कौन बने? प्रति बोरदोलोई।
- हाल ही में भारत और इज़राइल के बीच कौन सा द्विपक्षीय समझौता लागू हुआ है? भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए)
- भारत और इज़राइल के बीच राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित किए गए थे?
- किन दो संगठनों ने संयुक्त रूप से सैन्य निगरानी के लिए भारत का पहला स्वदेशी सामरिक एयरोस्टेट विकसित किया? आईआईटी दिल्ली और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- किस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने कर्नाटक की पब्लिक स्कूल प्रणाली को मजबूत करने के लिए $ 182.89 मिलियन के ऋण को मंजूरी दी? एशियाई विकास बैंक (एडीबी)।
- किस संगठन ने मोबाइल-पहला नेटबैंकिंग समाधान 'बैंकिंग कनेक्ट' लॉन्च करने के लिए एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) के साथ भागीदारी की? रेजरपे।
- 1 जुलाई 2026 से IREDA के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) का अतिरिक्त प्रभार किसे दिया गया है? डॉ. बिजय कुमार मोहंती,
- वीपीएन का क्या अर्थ है? वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क
- भारत सरकार किन सेवा प्रदाताओं के लिए कड़े नियमों का प्रस्ताव कर रही है? वीपीएन सेवा प्रदाता
- संजीव कुमार सिंह के बाद हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के नए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में किसने कार्यभार संभाला है? अनुपम मिश्रा

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA